कार्यालय पुलिस नियन्त्रण कक्ष आयुक्तालय जोधपुर

प्रेस नोट
(दिनांक 23.10.2024)
आयुक्तालय जोधपुर

इस वर्ष पुलिस शहीद दिवस के साथ–साथ दिनांक 31.10.2024 राष्ट्रीय एकता दिवस तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजनों के तहत श्री राजेंद्र सिंह पुलिस आयुक्त जोधपुर के निर्देशानुसार आज दिनांक 23.10.2024 को पुलिस आयुक्तालय जोधपुर क्षेत्र में स्थित विद्यालयों/महाविद्यालयों में साईबर/सामान्य अपराधों की रोकथाम एवं जागरूकता के संबंध में जानकारी देने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन किया।

पुलिस आयुक्तालय जोधपुर में श्री हेमंत कलाल आईपीएस सहायक पुलिस आयुक्त पूर्व के सुपरविजन एवं समस्त अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त एवं थानाधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में स्थित विद्यालय एवं महाविद्यालयों में इस कार्यक्रम के तहत छात्र–छात्राओं को जानकारी देने हेतु दिशा निर्देश दिए गए।

श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशों की पालना में समस्त वृत अधिकारियों ने अपने–अपने क्षेत्र के सभी थाना अधिकारियों एवं पुलिस बल की अलग–अलग टीमें बनाकर विद्यालय/महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को साइबर/सामान्य अपराधों के रोकथाम के संबंध में जानकारी देने हेतु ब्रीफ कर रवाना किया गया।

उक्त कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्तालय जोधपुर के समस्त पुलिस थानों द्वारा थाना क्षेत्र के बीट में भ्रमण कर कुल 260 शैक्षणिक सस्थानों में से 87 शैक्षणिक सस्थानों में साईबर /सामान्य अपराधों की रोकथाम एवं जागरूकता के संबंध कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 87 शैक्षणिक संस्थानों के कुल 40858 छात्र/छात्राओं में से जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित कुल 14379 छात्र/छात्राओं को साइबर/सामान्य अपराधों के रोकथाम के संबंध में जानकारी दी गई तथा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र/छात्राओं से समस्या एवं सुझाव को प्राप्त कर समाधान किया गया।

छात्र–छात्राओं को साइबर/सामान्य अपराधों के रोकथाम के संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आप भी सावधान रहे! सतर्क रहें! सचेत रहें! और अपने अभिभावकों के साथ–साथ अन्य लोगों को भी जागरूक करे। किसी भी ऐसे आकर्षक मैसेज के लिंक पर क्लिक न करें। आपकी छोटी सी गलती आपको स्कैनर्स का निशाना बन सकती है। सोशल मीडिया पर लुभावने ऑफर से सावधान रहे, किसी भी ऐड पर क्लिक नहीं करें व अपनी बैंकिंग संबंधी डिटेल शेयर नहीं करें। पासवर्ड या क्रेडिट कार्ड का विवरण चुराने वाले फर्जी ईमेल और वेबसाइट से दूर रहे।अनजाने व्हाट्सएप वीडियो कॉल से सावधान रहे। साइबर हैकर्स वीडियो कॉल के दौरान चेहरे का इस्तेमाल आपकी फेस आईडेंटिटि चुराने के लिए भी कर सकते हैं। पब्लिक वाई–फाई का सावधानी से उपयोग करें। मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें। टू–फैक्टर ऑथेंटिकेशन लागू करें। डिवाइस को अपडेट रखें। एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करें। व्हाट्सएप के माध्यम से निजी जानकारी जैसे पिन/पासवर्ड/बैंक डिटेल आदि साझा ना करें। व्हाट्सएप वेब को लोग–आउट करना ना भूले। व्हाट्सएप पर फिंगरप्रिंट लॉक लगाकर रखें। ऑनलाइन शॉपिंग स्कैम से बचने के लिए वेबसाइट के यूआरएल को ध्यान से देखें, वेबसाइट की डोमेन एज को चेक करें, वेबसाइट पर मौजूद संपर्क जानकारी (ईमेल ,फोन नंबर, पता) को सत्यापित करें, वेबसाइट के बारे में ऑनलाइन रिव्यू पढ़ें।

किसी भी यूपीआई पेमेंट प्राप्त करने के लिए पासवर्ड या पिन नंबर की जरूरत नहीं होती है, ऋण घोटालेबाज/लोन स्कैमर से सावधान रहे। आप ऑनलाइन नौकरी के लुभाने विज्ञापनों से बचें। विज्ञापन की ठीक से जांच करें। अपने व्यक्तिगत जानकारी साझा ना करें। रजिस्ट्रेशन के नाम पर फीस न दें। डिजिटल अरेस्ट जैसे फ्रॉड से कैसे बचा जा सकता है– कॉल वेरीफाई करें, तुरंत पेमेंट ना करें, फिशिंग ईमेल्स से बचें।

ठगी का शिकार होने के बाद पीड़ित को साइबर फ्रॉड से निपटने के लिए 1930 हेल्पलाइन नंबर या www-cybercrime-gov-in ईमेल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।

प्रभारी
पुलिस नियंत्रण कक्ष,
आयुक्तालय जोधपुर।

HOLY SPIRIT SEN

बालवाड़ी उच्च माध्यमिक विद्यालय (हिन्दी माध्यम)
एवं
VIKRAM
PUBLIC SCHOOL
Shot on OnePlus